विश्व हिन्दू परिषद

संकट मोचन आश्रम, रामकृष्णपुरम, सैक्टर-6, नई दिल्ली

दिनांक : 5.3.2010

प्रैस विज्ञप्ति

एम.एफ. हुसैन को भारत की न्यायपालिका से भागना नहीं अपितु उसका सामना करना चाहिए :-

डा. सुरेन्द्र कुमार जैन, प्रवक्ता, विश्व हिन्दू परिषद

एम.एफ. हुसैन हिन्दूवादी संगठनों से डरकर नहीं अपितु अपने कुकृत्यों के कारण चल रहे मुकदमों के संभावित परिणामों से डरकर भारत से भागे थे। अगर कानून से डरकर भागने वाले के लिये कोई एक शब्द कानून में ही प्रयोग किया जाता है, तो वह है ''भगोड़ा''। कोई भी भारतीय नागरिक अगर भारत के न्याय व संविधान में विश्वास करता है तो उसे भारत से भागने की जगह, भारत में आकर न्यायपालिका का सामना करना चाहिए। कला के नाम पर भारत माता व हिंदू देवी-देवताओं के अश्लील चित्रण के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं, इसको वे अपने समर्थकों से ज्यादा समझते हैं। इसलिये उनके समर्थन में चलाये जा रहे अभियानों से वे प्रभावित नहीं हो रहे। भारत माता का नंगा चित्र बनाते समय उन्हें अवश्य स्मरण रहा होगा कि उन्होंने अपनी माता मदर टेरेसा व फातिमा का चित्रण शालीनता के साथ किया था। उनका यह दोहरा मापदंड आंख पर पट्टी बांधने वाले समर्थकों को शायद न दिखता हो परन्तु उन्हें अपना यह जानबूझकर किया पाप ध्यान में है जो उनके सर चढ़कर बोल रहा है। यदि उनके समर्थक तथाकथित कलाकारों में साहस है तो वे एक बार बीबी फातिमा, अपनी माता व मदर टेरेसा के अश्लील चित्र बनाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दें।

विश्व हिन्दू परिषद किसी भी व्यक्ति की आस्थाओं का अपमान करने के पक्ष में नहीं है। इसीलिये जब बड़ोदरा के एक चित्रकार ने जीसस का अपमानजनक चित्र बनाया था तो हमने उसका विरोध किया था। परन्तु तस्लीमा तसरीन, एम.एफ. हुसैन व स्वीडिश पत्रकार के मामलों में भारत की सैक्युलर बिरादरी का दोगलापन स्पष्ट हो जाता है। पंजाब में किसी अखबार में जीसस का आपत्तिजनक चित्रण होता है या कर्नाटक में एक मनगढ़त लेख छपता है अथवा स्वीडिश पत्रकार के चित्र के कारण जब अकारण हिंसा भड़कती है तथा निर्दोष हिंदुओं के जानमाल पर हमला किया जाता है तो ये सैक्युलर बिरादरी गला फाड़कर आस्थाओं के सम्मान की बात करती है परन्तु कोई भी हिंसा की निंदा नहीं करता। विहिप नेता ने इन

सैक्युलर बिरादरी के लोगों को कहा कि वे अपना दोगलापन छोड़ें तथा भारत सरकार को अपील करने की जगह एम.एफ. हुसैन से कहें कि यदि वे भारत का व यहां के न्याय का सम्मान करते है तो वे अपने पापों के लिये माफी मांगकर भारत में आयें तथा यहां चल रहे मुकदमों का सामना करें न कि उनसे भागकर विदेशों में मुंह छिपाकर रहें। यह उन्हें स्पष्ट हो जाना चाहिये कि कतर ने उनको अपनी नागरिकता हिन्दू धर्म के अपमान के कारण दी है न कि कला के सम्मान के कारण। यदि उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का सम्मान करना होता तो वे तस्लीमा नसरीन और सलमान रश्दी को भी नागरिकता प्रदान करते।

विहिप के प्रवक्ता ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भारत का हिंदू समाज किसी भी प्रकार की थोथी आलोचना से डरने वाला नहीं है। अपनी आस्था का अपमान किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

M.F. Hussain should face the Indian Judiciary in spite of absconding

- Dr. Surender Kumar Jain, Spokesperson, V.H.P.

Dr. Jain said that M.F. Hussain is not absconding from India out of the fear of Hindu Organisations but he is afraid of the results of the court cases registered against him due to his misdeeds. If anyone is trying to evade the judicial process, the only word for him by the legal system in "absconder". If any Indian citizen has any faith in India and its constitution, he should face the judiciary inspite of running from it. What can be the consequences of insulting Mother India and Hindu Gods-Goddess, perhaps M.F. Hussain knows better than his blind supporters. That is why, he is not at all impressed by the campaigns launched to bring him back. While making nude pictures of Mother India and Hindu Gods-Goddesses, he must be having in his mind that he has painted his mother, Bibi Fatima, and Mother Teressa in a very pious and descent manner. His blind followers may ignore his double standard, but he might have remembered his wilfully committed sins. If his followers wants to defend him in the name of "Freedom of Expression", they should dare to paint Bibi Fatima, Mother Teressa and their own mother in the same fashion.

VHP is not in favour of insulting faiths of any religion. Therefore, VHP opposed a painter in Vadodra, who painted Jesus in a very indecent and vulger manner. But double standards of secular class is exposed in the matters of Taslima Nasreen and the Swedish journalists. If the lives and properties of innocent Hindus are attacked by violent mobs in Punjab, Karnataka and other parts of India due to publication of indecent pictures of Jesus, Mohd. or publication of a forged article in the name of Taslima, the secular family jumps forward as protector of faith but never condemns brutal and meaningless violence against Hindus. VHP leader asked these "champions" of secularism that they should shun double standards. Inspite of appealing the Govt. of India, they should appeal M.F. Hussain to apologise for his sins and come to India and

face the legal cases boldly. It should be made clear that Qutar has awarded its nationality to Hussain as an award to insult Hindu Dharam, not as a respect to freedom of expression. If they have any respect for such rights they should have awarded their nationality to Taslima Nasreen and Salman Rushdy also.

VHP spokesperson has clearly stated that Hindu society will not give ears to such meaningless criticism. Hindus will never tolerate any insult to their faith.

Contact of Dr. Jain -
09215151823
09416051823